



# भारत का राजपत्र

## The Gazette of India

असाधारण  
EXTRAORDINARY

भाग II—खण्ड 3—उप-खण्ड (i)  
PART II—Section 3—Sub-section (i)

प्राधिकार से प्रकाशित  
PUBLISHED BY AUTHORITY

सं. 308]

नई दिल्ली, सोमवार, जुलाई 25, 1994/श्रावण 3, 1916

No. 308] NEW DELHI, MONDAY, JULY 25, 1994/SAVANA 3, 1916

कपनी विधि बोर्ड

अधिसूचना

नई दिल्ली, 25 जून, 1994

सा.ना नि. 593 (य) :---कंपनी विधि बोर्ड, कपनी अधिनियम, 1956 (1956 वा 1) की धारा 10-अ. की उपधारा (6) द्वारा प्रदत्त शक्तियों का प्रयोग करते हुए, कपनी विधि बोर्ड विनियम, 1991 का संशोधन बरता है, यथात् :---

1. (1) इन विनियमों का संक्षेप नाम कपनी विधि बोर्ड (संशोधन) विनियम, 1994 है।

(2) ये राजपत्र में प्रकाशन की तारीख को प्रत्यक्ष होंगे।  
परिमाण।

2 कपनी विधि बोर्ड विनियम 1991 (जिसे इसमें इसके पश्चात् मूल विनियम कहा गया है) के विनियम 2 में--

(क) खंड (इ.) के स्थान पर निम्नलिखित रखा जाएगा ...

"(इ) "न्यायपीठ" में बोर्ड की न्यायपीठ अधिकृत है और इसके अन्तर्गत मुख्य न्यायपीठ और एकल द्वा में आमोन कोई सदस्य है";

(ख) खंड (इ.) के स्थान पर निम्नलिखित रखा जाएगा, यथात्--

"(इ) "मदस्य" में बोर्ड का कोई मदस्य (जहाँ न्यायिक ही या तकनीकी) अधिकृत है और इसके अन्तर्गत अध्यक्ष और उपाध्यक्ष मी है";

(ग) खंड (म) के पश्चात् निम्नलिखित विंड जोड़ा जाएगा,  
प्रथात् :--

"(म) "उपाध्यक्ष" से बोर्ड का उपाध्यक्ष अधिकृत है";  
3. मूल विनियम के विनियम 4 के स्थान पर निम्नलिखित रखा जाएगा,  
प्रथात् :--

किसी न्यायपीठ द्वारा निरायाग जाने वाले मामलों को विनियित करने की अधिकृत की शक्ति।

"4. (1) अध्यक्ष के लिए इन वाल का उपाध्यक्ष रुपा विधिपूर्ण होमा कि धारा 235, 237, 247, 248, 250, 388-ब, 409 और 409 वे प्रत्यारूप गाने वाले मामले और अधिनियम के भाग 6 के अध्याय 6 के प्रत्यारूप और एकांकिका अधिकृत विनियम की धारा 2-क के अन्तर्गत आते वाले मामले आर उनके अन्तर्गत सभा अन्य मामले अध्यक्ष या उपाध्यक्ष महिला दो से अन्यून मरम्मा में विनकर वाले वाली किसी न्यायपीठ द्वारा (जिसे मुख्य न्यायपीठ के रूप में जाना जाएगा) नियायाग जाती।

(2) मुख्य न्यायपीठ नई दिल्ली में होगा, किन्तु मुख्य न्यायपीठ भारत में ऐसे स्थानों पर और ऐसे समय पर बैठक कर सकती हैं जो भारत में इसकी शक्तियों के प्रयोग आर कृत्यों के सम्बन्ध में सर्वाधिक सुविधाजनक हों।

(3) अध्यक्ष के लिए यह उपबोर्ड करना विधिपूर्ण होगा कि प्रधिनियम की धारा 111 और धारा 269 तथा प्रतिसूति प्रधिनियम की धारा 22 के अन्तर्गत आने वाले मामले दो से अन्युन गदस्यों से मिलकर बनने वाली किसी न्यायपीठ द्वारा निपटाए जाएँगे और इस विनियम के उपविनियम (1) और उपविनियम (3) के अन्तर्गत न आने वाले मामले अन्य मामले जिनके अन्तर्गत निर्णयों का जारी करना और बैठकों मामले भी हैं, एकल मदस्य से मिलकर बनने वाली न्यायपीठ द्वारा निपटाए जाएँगे;

परन्तु विनियम 7 में किसी बात के होते हुए भी अध्यक्ष के लिए किसी प्रादेशिक न्यायपीठ के गमधा नियत किसी मामले को लेखपढ़ किए जाने वाले कारणों से मूल्य न्यायपीठ को अन्तरित करना विधिपूर्ण होगा। विनियम 5 का लोप किया जाना।

(4) मूल विनियम के विनियम 5 का लोप किया जाएगा।

विनियम 6 का लोप किया जाना।

(5) मूल विनियम के विनियम 6 का लोप किया जाएगा।

[फा स. 1 (10)/88-र्ना.एव.---5/सोन्हा शा]  
कपनी प्रधि बोर्ड के प्रदेशानुगार  
ए अ.र. रामानाथन, सबस्य

टिप्पणी : ---प्रधान विनियम

- (1) सा.का.सि. मंद्या 291 (अ) विनाक 31-5-91 तत्परकात्  
संशोधन द्वारा
- (2) सा.का.नि. 492 (ग्र) विनाक 14-5-92

## COMPANY LAW BOARD NOTIFICATION

New Delhi, the 25th July, 1994

G.S.R. 593(E).—In exercise of the powers conferred by Sub-section (6) of section 10E of the Companies Act, 1956 (1 of 1956), the Company Law Board hereby amends the Company Law Board Regulations, 1991, namely:—

1. (1) These regulations may be called the Company Law Board (Amendment) Regulations, 1994.

(2) They shall come into force on the date of their publication in the Official Gazette.

### Definition

2. In Regulation 2 of the Company Law Board Regulations 1991 (hereinafter referred to as the Principal Regulation)—

(a) for clause (e) the following shall be substituted :—

“(e) ‘Bench’ means a bench of the Board and includes the Principal Bench and a member sitting singly”;

(b) for clause (m) the following shall be substituted, namely :—

‘(m) “Member” means a Member (whether judicial or technical) of the

Board and includes the Chairman and Vice Chairman’;

(c) after clause (x) the following clause shall be added, namely :—

‘(y) “Vice Chairman” means Vice Chairman of the Board.’;

3. In the Principal Regulation, for Regulation 4 the following shall be substituted, namely :—

Power of the Chairman to specify matters which may be dealt with by a Bench.

“4. (1) It shall be lawful for the Chairman to provide that matters falling under sections 235, 237, 247, 248, 250, 388B, 408 and 409 and matters falling under Chapter VI of Part VI of the Act and under Section 2A of the Monopolies Act and all other matters incidental thereto shall be dealt with by a Bench consisting of not less than two members including the Chairman or the Vice Chairman (which shall be known as the Principal Bench).

(2) The Principal Bench shall be at New Delhi but the Principal Bench may sit at such places in India and at such time as may be most convenient in exercise of its powers and functions in India.

(3) It shall be lawful for the Chairman to provide that matters falling under sections 111 and 269 of the Act and under section 22A of the Securities Act shall be dealt with by a Bench consisting of not less than two members and all other matters not falling under sub-regulations (1) and (3) of this regulation including issuing of directions and interlocutory matters may be dealt with by a Bench consisting of a single member;

Provided that notwithstanding anything contained in Regulation 7, it shall be lawful for the Chairman to transfer any matters pending before any Regional Bench to the Principal Bench, for reasons to be recorded in writing.”

### Ommission of Regulation 5

(4) Regulation 5 of the Principal Regulation shall be omitted.

### Ommission of Regulation 6

(5) Regulation 6 of the Principal Regulation shall be omitted.

[F. No. 1(10)88-CL V|CLB]

By Order of the Company Law Board.  
A. R. RAMANATHAN, Member

Foot Note : Principal Regulation

(1) G.S.R. No. 291(E) dated 31-5-91 subsequently amended by—

(2) G.S.R. No. 492(E) dated 14-5-92.